Now Shri T. N. Cnaturvedi and Shri S. S. Bhandari.

RE. RESIGNATION OF V.C. OF RAJASTHAN UNIVERSITY UNDER DURESS

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : श्रीमन्, मैं एक बहुत ही महत्व के मुद्दे की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । यह शिक्षा क्षेत्र की स्वायत्ता और स्वाभिमान का भी प्रश्न है । कल राजस्थान विश्वविद्यालय के उपकुलपति के घर कुलपति के सचिव और तीन-चार अफसर अचानक पहुंचे और उन पर दबाव डाला कि तुम इस्तीफा दो । उन्होंने कहा कि मुझे सोचने का समय दीजिये । उनको कहा गया कि अगर तुम इस्तीफा नहीं दोगे तो बहुत बुरे परिणाम निकलेंगे और वे जब सिनेट की मीटिंग के लिये जा रहे थे तो पुलिस और कलेक्टर स्टेनगन लिये हुए 25-30 सिपाही उनके घर पहुंच गये और उन्हें कमरे में रोक कर जबर्दस्ती दो काजजों पर दस्तखत करवाए । उनको दो लिफाफे मिले । उन लिफाफों में क्या था, उन्हें नहीं बताया गया । दस्तखत करा करके जब वे चले गये तो उन लिफाफों को खोला गया तो एक में उन पर लगाई गई चार्ज शीट थी और दूसरे में उनके ससपेंशन का आर्डर लिखा हुआ था । यह वास्तव में प्रतिष्ठा का सवाल है और वाइस-चांसलर की जिम्मेदारी का सवाल था । अगर इस तरीके से शिक्षा के वरिष्ठ पदों पर बैठे हुये लोगों के साथ व्यवहार किया और इस तरह से तो किसी पर भी इल्जाम लगाया जा सकता है ।

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : आर०एस० एस० का मामला है..(**व्यवधान**) ।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : अगर हिम्मत है तो साबित करिये..(**व्यवधान**) ये मंत्री गैर-जिम्मेदाराना भाषा में बोलते हैं। यह उनको बिलकुल शोभा नहीं देता है।

श्री जगदीश टाइटलर : आर०एस०एस० एलीमेंट को इस देश से निकालना पड़ेगा ।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): Mx-. Vice-Chairman, ask the Minister to keep quiet... *(Interruptions)* . Sit down.

THE VICE-CH AIRMAN (SYED SIBTEY RAZI): Mr. Bhandari, you please speak.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : इसी तरह से राजस्थान की दो युनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर को उनसे जबर्दस्ती इस्तीफा दिलवा कर अलग कर चुके हैं । मैं चाहता हूं कि केन्द्र सरकार इस सारे मामले की जांच करे और एक वक्तव्य दें । वाइस-चांसलर की पोजीशन को इस प्रकार से डेनिग्रेट करने का इस सरकार का इरादा है । मैं चाहता हूं कि चार्जेज फ्रेम करके मुकदमा चले और मुकदमे के आधार पर एक्शन लिया जाय, लेकिन यह आर्बिट्रेरी हाईहैंड्डनेस बर्दाश्त नहीं की जा सकती है ।

RE. INCREASING ADMINISTRATIVE! AND POLITICAL (HIGHHANDEDNESS TOWARDS UNIVERSITIES

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI (Rajasthan): Mr. Vice-Chairman, Sir, I also want to draw attention to this increasing administrative and political high-handedness towards the universities. I am not interested in its political aspects. Nor do I like to reply to the superficial statement that the Minister of Surface Transport has made about the particular incident.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : It is not superficial. You chose the person having the RSS background.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : आपके ही सहयोगी ने हवाई जहाज हाईजेक किया था । वह आपका आदमी था, आपका सहयोगी था... (**व्यवधान**)..आपके स्कूल में पढ़ा था, क्या यह आपको मालूम है...(**व्यवधान**)